हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया हत्याकांड में अब तक 14 आरोपी नामजद

सात गिरफ्तार, मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर मंदीप और हार्डकोर बदमाश दीपक मालसरिया फरार

झुंझुनूं, (निसं)। दिवाली के पहले दिन रात को धनूरी थाने के हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की हत्या को दस दिन हो गए हैं। पुलिस लगातार इस मामले में ना केवल कार्रवाई कर रही है, बल्कि अब तक एक 10 हजार के ईनामी सहित सात बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अब तक गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में वारदात की एक-एक कहानी निकलकर सामने आ रही है। जमीन पर रेंगकर और सहारे के साथ चलते ये बदमाश झुंझुनूं के हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की हत्या से जुड़े आरोपी हैं।

- **बाइक से करवाया था डेनिस का पीछा, अंडे लेने के लिए रुका तो अपहरण कर हत्या कर दी**

हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

डेनिस को मारने के लिए बिसाऊ थाने का हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया और झुंझुनूं सदर थाने का हार्डकोर बदमाश दीपक मालसरिया मुख्य आरोपी है। हालांकि ये दोनों ही अभी तक पुलिस पकड़ से दूर है, लेकिन अब पुलिस ने तय कर लिया है कि फरार बदमाशों को छुपाने, भगाने और फरारी कटवाने में मदद करने वाले लोगों पर भी कार्रवाई होगी, जिसके लिए इनकी मदद करने वालों की सूची बनाई जा रही है।

सिटी डीएसपी वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि अब तक 14 आरोपियों को नामजद कर लिया गया है। वहीं सात आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया ने ऐसे लड़कों को चुना जो अपराध की दुनिया में अपना नाम चमकाना चाहते थे और मदिया की गैंग से जुड़ना चाहते थे। इनमें से 10 हजार रूपए का ईनामी बदमाश आदित्य मीणा निवासी हांसलसर भी शामिल था। जो अपराध की दुनिया में अपना नाम चमकाने के चक्कर में मदिया और दीपक मालसरिया के संपर्क में आया और वारदात में शामिल हो गया। वहीं इस काम में परसरामपुरा के चौढ ाणी की ढाणी निवासी जितेंद्र उर्फ जोनी मेघवाल के जरिए भी ऐसे चार लड़कों अजय कुमार उर्फ अज्जू, ताराचन्द, पंकज जाट, धर्मपाल को इस काम के लिए बुलाया और प्लान में शामिल किया।

अब तक पुलिस इस मामले में जो कड़ी से कड़ी मिला पाई है। उसके अनुसार मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया, दोनों ही डेनिस बावरिया के दुश्मन बन गए थे। पहले डेनिस बावरिया भी मंदीप उर्फ मदिया की गैंग में था, लेकिन बाद में वह मदिया गैंग से दूर हो गया। वहीं दीपक मालसरिया भी डेनिस बावरिया की सीधी दुश्मन हो गई। डेनिस को रास्ते से हटाने के लिए मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया ने हाथ मिलाया और यह सारा प्लान बनाया। जितेंद्र उर्फ जोनी ने जो लड़के उपलब्ध करवाए। उन्हें मंडावा रोड पर सीतसर स्थित रॉयल ट्रीट होटल पर मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया से मिलाया गया। वहीं पर पूरी वारदात का प्लान बना, जिसके बाद कपिल कस्वां और राहुल उर्फ राज ने डेनिस बावरिया की पीरूसिंह सर्किल से लेकर चूरू बाईपास तक बाइक से रैकी करते हुए पीछा किया। पल-पल की जानकारी मंदीप उर्फ मदिया तथा दीपक मालसरिया को देते रहे। डेनिस बावरिया चूरू बाईपास पर अंडे लेने के लिए रूका तो उसी वक्त तीन कैंपर गाड़ियों से हमला कर डेनिस का अपहरण किया गया, जिसके बाद मंदीप उर्फ मदिया, दीपक मालसरिया और प्रशांत उर्फ पोखर सहित अन्य ने जमकर मारपीट कर मरा हुआ समझकर ही रसोड़ा गांव छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने अब सात आरोपियों पर ईनाम घोषित किया है, जिनमें से एक गिरफ्तार हो चुका है। सात से आठ टीमें लगातार दबिशें दे रही है। पुलिस इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें कपिल कुमार कस्वां पुत्र उम्मेद सिंह, पंकज कुमार पुत्र राजेंद्र जाट, राहुल कुमार उर्फ राज, अजय कुमार ऊर्फ अज्जू पुत्र खेताराम मेघवाल, ताराचंद उर्फ टीसी पुत्र सीताराम मेघवाल, जितेंद्र उर्फ जोनी पुत्र ओमप्रकाश मेघवाल तथा आदित्य मीणा उर्फ बुलिया पुत्र रामजीलाल मीणा है। इनमें आदित्य मीणा उर्फ बुलिया 10 हजार का ईनामी बदमाश था।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज, याचिकाकर्ता पर जुर्माना लगाया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने नागौर के खींवसर में पांचोड़ी निवासी 25 वर्षीय युवक की याचिका पर यह फैसला सुनाया। इस युवक ने दावा किया था कि उसने फलोदी जिले के मतोड़ा थाना इलाके की एक युवती से शादी की है और युवती के माता-पिता ने उसे गैरकानूनी तरीके से अपने पास बंदी बना रखा है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने युवती के साथ विवाह किया है और इसके प्रमाण के तौर पर आर्य समाज का विवाह प्रमाण पत्र भी कोर्ट में प्रस्तुत किया गया था। उसका कहना था कि शादी के बाद उसकी पत्नी को उसके माता-पिता ले गए।

याचिका में राज्य सरकार, फलोदी पुलिस अधीक्षक, मतोड़ा थानाधिकारी और महिला के माता-पिता को प्रतिवादी बनाया गया था। प्रतिवादियों की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी, मतोड़ा थानाधिकारी अमानाराम और मनीषा चौधरी ने पक्ष रखा। कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने 17 अक्टूबर को युवती को अदालत में पेश किया गया। न्यायाधीशों ने युवती से विस्तार से बातचीत की और उसकी इच्छा जानने का प्रयास किया। कोर्ट ने पाया कि युवती वयस्क है और वह अपने निर्णय लेने में सक्षम है।

जब कोर्ट ने युवती से बात की, तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि चार लोग उसे जबरन उठाकर ले गए और जबरदस्ती याचिकाकर्ता से शादी करवाई गई। उस ने अदालत के सामने साफ शब्दों में कहा कि वह याचिकाकर्ता के साथ रहने को तैयार नहीं है और अपनी मर्जी से अपने माता-पिता के साथ खुशी-खुशी रह रही है। युवती ने स्पष्ट किया कि उसके माता-पिता ने उसे जबरन अपने पास नहीं रोका है, बल्कि वह स्वेच्छा से उनके साथ रहना चाहती है।

युवती के बयान को सुनने के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि युवती अपने माता-पिता की गैरकानूनी हिरासत में नहीं है। न्यायालय ने पाया कि वह अपनी स्वतंत्र इच्छा से अपने माता-पिता के साथ रह रही है और वह याचिकाकर्ता के साथ जाना नहीं चाहती। युवती की इच्छा स्पष्ट होने के बाद कोर्ट ने यह निष्कर्ष निकाला कि याचिका का कोई आधार नहीं बनता। इस पर याचिका को खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता द्वारा जमा की गई 25 हजार रुपए की राशि जब्त कर ली। कोर्ट ने रजिस्ट्रार (न्यायिक) को निर्देश दिया कि इस जब्त की गई राशि को राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण के बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाए, जो कानूनी सहायता सेवाओं के लिए उपयोग की जाएगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

जहाजपुर-देवली मार्ग पर हुआ हादसा, छोटी बहन को लेने जा रहा था युवक

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर मार्ग पर अमरवासी स्थित राजीव गांधी महाविद्यालय के समीप एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर हनुमान नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

सहायक उप निरीक्षक दुर्गालाल ने बताया कि मृतक अजय पुत्र दुर्गालाल मीणा, निवासी घाटी का बाड़ा, थाना जहाजपुर है। मृतक अजय के भांजे मोहित ने बताया कि उनके मामा अजय प्रदीप नगर में उनकी छोटी बहन नीतू को लेने बाइक से आ रहे थे। इसी दौरान राजीव गांधी महाविद्यालय के करीब एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन किया और करीब डेढ़ घंटे तक शव नहीं उठाने दिया। बाद में पुलिस की समझाइश पर परिजन और ग्रामीण सहमत हुए।

मृतक युवक (फाइल फोटो)।

- **मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और शव नहीं उठाने दिया, समझाइश पर माने परिजन और ग्रामीण**

मृतक के भांजे मोहित ने बताया कि उनके मामा गुजरात के सोलर प्लांट फैक्ट्री में काम करते थे। वह अविवाहित है। मृतक अजय के जीजा रामप्रसाद की पिछले दिनों मौत हुई थी, जिसके चलते वह अपनी छोटी बहन नीतू को पीहर ले जाने के लिए प्रदीप नगर देवली आ रहे थे। इसी बीच, यह हादसा अजय की जान ले बैठा। हनुमान नगर पुलिस ने शव को देवली चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करकर शव परिजनों को सुपुर्द किया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

टोल प्लाजा कर्मियों से मारपीट मामले में आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के डर से महिला के कपड़े पहनकर खंडहर में छुपा बैठा था आरोपी

सीकर, (निसं)। सीकर की लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस ने टोल प्लाजा के कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के मामले में आरोपी रावण को गिरफ्तार किया है। रावण ने अपने साथियों के साथ मिलकर 21 अक्टूबर को टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट की थी। आरोपी पुलिस के डर से महिला के कपड़े पहनकर खंडहर में छुपा बैठा था।

लक्ष्मणगढ़ डीवाईएसपी दिलीप कुमार मीणा के अनुसार 21 अक्टूबर को गजेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनका छोटा भाई राजेंद्र सिंह भूमा टोल प्लाजा पर अपनी नौकरी कर रहा था। दोपहर तीन बजे के करीब अनुज बादूसर, मोनू गाड़ोदा सहित अन्य लोग आए, जिन्होंने जान से मारने की नीयत से राजेंद्र और अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट की। साथ ही राजेंद्र की जेब से 15 हजार रुपए और गले में पहनी सोने की चेन भी छीन ली। सभी बदमाश बीएल ग्रुप से जुड़े हुए हैं। जिनकी पुलिस तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपी प्रयास नेहरा उर्फ रावण उर्फ निशु पुत्र महावीर पुलिस के डर से अपनी पहचान छुपाने के लिए महिला के कपड़ों में एक खंडहर में बैठा हुआ है, जिसने अपने सिर के बाल भी मुंडवा लिए। पुलिस ने दबिश देकर वहां से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी में जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल अशोक और लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाने के कॉन्स्टेबल विद्याधर की अहम भूमिका रही।

चलती कार में अचानक आग लगी, हादसा टला

स्थानीय लोगों की मदद से समय रहते आग पर काबू पाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में चलती मारुति वेन में अचानक आग लग गई। कार चालक की सतर्कता की वजह से बड़ा हादसा टल गया। वहीं स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत आग पर काबू पा लिया।

सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि थाना क्षेत्र के नारायणी माता सर्किल पर गुरुवार को एक चलती मारुति वैन कार में अचानक आग लग गई। कार चालक को आग लगने का पता चलते ही कार को साइड में लगाया, जहां आसपास के लोगों ने पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा नहीं हुआ है। आग के कारण मारुति कार का अगला कुछ हिस्सा जल गया था। पुलिस ने बताया कि जिस कार में आग लगी उस मारुति वैन कार के पीछे के हिस्से में गैस किट लगा हुआ था, लेकिन स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत आग पर काबू पा लिया जिसके कारण कार का आगे का हिस्सा जल गया, लेकिन पीछे गैस किट तक आग नहीं पहुंचने के कारण कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई।

पशुपालन मंत्री ने भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारी पर लिया संज्ञान

जयपुर/जालोर/पाली। पशुपालन, डेयरी और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने पाली एवं जालौर जिलों में भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारियों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल विशेष चिकित्सा टीमें भेजी जाएं तथा बीमार पशुओं का समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए। जोराराम कुमावत ने यह भी बताया है कि पाली और जालोर जिले में हाल ही के दिनों में भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारियों की रोकथाम एवं निदान के लिए पशुपालन विभाग द्वारा विशेष कार्ययोजना के तहत त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

- **पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने पाली एवं जालोर जिलों में भेड़ों में फैल रही संक्रामक बीमारियों की स्थिति पर चिंता जताई, त्वरित उपचार और बचाव के लिए जिलों को निर्देश दिए**

पशुपालन मंत्री ने बताया कि जालोर जिले के आहोर नोडल क्षेत्र में अधिक संख्या में भेड़ें प्रभावित हुई हैं शेष भाग में भी कुछ छिटपुट मामले सामने आए हैं। आहोर में संक्रमित भेड़ों के सर्वे और उपचार के लिए 40 सदस्यों के कुल 12 दलों का गठन कर दिया गया है जो लगातार सर्वे और उपचार के कार्य में संलग्न हैं। संक्रमित पशुओं के ब्लड सैंपल तथा नेजल स्वैब भी लिए गए हैं और उन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया है। अब तक आहोर के विभिन्न गांवों मे नौ हजार से अधिक भेड़ों का सर्वे कराया जा चुका है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। जिले के अन्य भागों में भी सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं और संक्रमित पशुओं को अन्य पशुओं से अलग कर दिया गया है जिससे बीमारी के फैलाव को रोका जा सके। पशुपालकों को भी आवश्यक परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि पाली जिले में भी कुछ घटनाएं सामने आई हैं जिनका संज्ञान लेकर उपचार चालू कर दिया गया है। पाली के चाणोद गांव से सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाया गया है। आगे स्थिति न बिगड़े इसके लिए विभाग को पाबंद कर दिया गया है। वहां अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि तत्काल दलों का गठन कर भेड़ों में फैली बीमारी का सर्वे करवाकर आवश्यकतानुसार अविलंब उपचार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंत्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार पशुधन की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।

उन्होंने दोनों जिलों में पशु चिकित्सकों की टीमों को गांव-गांव जाकर पशुओं की जांच करने, सैंपल लेने के काम को तेज़ करने और जागरूकता शिविर आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। कुमावत ने कहा कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त दवाइयों व संसाधनों की आपूर्ति तत्काल की जाएगी। उन्होंने पशुपालकों से भी अपील की है कि वे अपने पशुओं का समय-समय पर टीकाकरण कराएं, बीमार पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें तथा किसी भी प्रकार के संक्रमण की स्थिति में नजदीकी पशु चिकित्सालय से तत्काल संपर्क करें।

बीमारी से पुलिसकर्मी की मौत, परिवार में छाया मातम

पावटा, (निसं)। क्राइम ब्रांच परिवाद शाखा में तैनात सहायक उप निरीक्षक रामकिशन गुर्जर निवासी ग्राम कुहाड़ा का बीमारी से निधन हो गया। निधन के बाद रिजर्व पुलिस लाइन से जवानों की सम्मान गार्ड टीम पहुंची और कुहाड़ा गांव के श्मशान स्थल पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले सलामी गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कार्यक्रम में विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत और थाना प्रभारी सोहनलाल विराटनगर पुलिसकर्मी कृष्णा कुमार स्वामी, बाबूलाल, कंवर सिंह व साथ थाना पुलिस और लाइन से आए जवान मौजूद रहे। कुहाड़ा गांव के ग्रामीणों और परिजनों सहित करीब 500 लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। सभी ने एएसआई रामकिशन के सेवाभाव और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए भावपूर्ण विदाई दी। बीमारी के चलते उनकी मृत्यु हुई है। उनके अपने पीछे तीन भाई जिनमें दो बड़े भाई हैं जिसमें बड़े ही बड़े भाई शिवकरण की मौत हो चुकी है, दूसरे नंबर का भाई छीतर मल खेतीबाड़ी करता है।

नकली शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी, संचालक गिरफ्तार

दौसा, (निसं)। डीएसटी दौसा व पुलिस थाना सदर दौसा ने गुरुवार को नकली देशी शराब बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुये 12 कार्टून में 576 नकली देशी शराब के पव्वे, 30 लीटर स्प्रिट, बारदाना, पव्वा पैकिंग मशीन की जब्त करते हुये फैक्टरी संचालक मखलेश मीणा को गिरफ्तार किया है। इधर इस कार्यवाही के बाद शराब व्यवसाय से जुड़े ठेकेदारों में हडकम्प मच गया है।

पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि डीएसटी टीम दौसा ने सूचना दी की एक व्यक्ति गोवर्धन नगर भांकरी रोड रेलवे लाईन के पास एक मकान में स्प्रिट लाकर अवैध देशी मदिरा तैयार करता है। सूचना पर हरिराम सउनि मय जाप्ता के एक मकान के पास पहुंचे, जिसकी चारदीवारी के अन्दर एक कमरा बना हुआ था कमरे के पास अवैध निर्मित शराब के 12 कार्टून मिले जिनमे 576 अवैध देशी शराब के प्लास्टिक के पव्वे भरे हुए (अवैध देशी शराब 103 लीटर) व खाली बारदाना के 762 प्लास्टिक पव्वे खाली, एक जरीकेन 50 लीटर जिसमे 30 लीटर स्प्रिट व एक पव्वा पैकिंग मशीन मिली, जिनको मौके पर जप्त किया जाकर आरोपी मखलेश पुत्र रामप्रताप मीना निवासी सिडौली थाना कोलवा जिला दौसा को गिरफ्तार किया गया। सूत्रों ने बताया कि आरोपित मखलेश मीणा नकली शराब राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने ढाबों सहित अन्य जगहों पर माल सप्लाई करता था, पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

पुस्तक ''जंगल की कहानियां'' : बाघों को पुनर्जीवित व वन्यजीवों का संरक्षण करने का सार्थक प्रयास

पुस्तक ''जंगल की कहानियां'' का लोकार्पण आगामी दो नवम्बर को होगा

जयपुर। सेतु प्रकाशन नोएडा व राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा समिति, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर में दो नवम्बर को राजेंद्र सिंह भण्डारी भू.पू. विभागाध्यक्ष, वन विभाग राजस्थान की अध्यक्षता में पुस्तक ''जंगल की कहानियां'' का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में पुस्तक पर व्यापक चर्चा भी की जायेगी। इसमें वन विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ-साथ हिंदी जगत के अनेक ख्यातिनाम साहित्यकार भाग लेंगे।

पुस्तक परिचय :-एक जमाना था जब जंगल व शिकार की कहानियां हिंदी साहित्य का अविभाज्य हिस्सा हुआ करती थीं लेकिन देखते देखते ही जीवन की इस आपाधापी में साहित्य की यह विधा कहाँ गायब हो गयी पता ही नहीं चला। सच तो यह है कि अंग्रेजी साहित्य भी इस मार से बच नहीं सका लेखक, जो भारतीय वन सेवा केअधिकारी रहे है, ने इस पुस्तक के जरिये इस विलुप्त प्राय: विद्या को पुनर्जीवित करने का सार्थक प्रयास किया है। लेखक ने अपने लम्बे वन सेवा काल में अर्जित अनुभवों को इस पुस्तक में अत्यंत रोचक कथानक के रूप में इस प्रकार से पिरोया है कि पाठक न सिर्फ लेखक के साथ वन्यजीवों से भरपूर विभिन्न जंगलों की सैर करता महसूस करता है बल्कि स्वयं को वन्य जीवों के अवैतनिक संरक्षक के रूप में देखने लगता है।

लेखक के बारे में :-वनों व वन्य जीवन के प्रति एक विशेष आकर्षण ही था कि सुनयन शर्मा ने इंजीनियरिंग जैसे आकर्षक कैरिअर को छोड़कर वन सेवा को अपनाया व चार दशक तक वन विभाग के लिए अपनी सेवाएँ दींऔर वन्यजीव प्रबन्धन इनका पसंदीदा क्षेत्र रहा। इस दौरान इन्होंने न सिर्फ वन्यजीव प्रतिपालक के रूप में राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों में वन्यजीवों के हितार्थ अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये बल्कि महावीरों की धरती मेवाड़ के जंगलों में वर्षों कार्यरत रहते हुए दुर्दांत तस्करों से इन वनों की रक्षा करने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। साथ ही यहाँ बसने वाले आदिवासियों को इन जंगलों के संरक्षण के लिए प्रेरित करने का कार्य किया व समाज की मुख्य धारा से दूर बने हुए इस आदिवासी समाज का वृहद समाज से सही परिचय कराने एवं उनके जीवन दर्शन के विशिष्ट पहलुओं को सबके सामने लाने का उल्लेखनीय कार्य किया। इस हेतु लेखक ने अनेक लेखों/कहानियां की रचना की।

सुनयन शर्मा

वर्ष 2010 में सरिस्का से सेवानिवृत्ति पर भारतीय वन सेवा के इस अधिकारी ने सरिस्का टाइगर फाउण्डेशन के अध्यक्ष के रूप में एक दशक से अधिक तक राष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीव संरक्षण के मुद्दों को उठाया व आज भी वह प्राण-पण से इसे आम जन की आवाज बनाने में सक्रिय है। देश-विदेश के प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों के अनेकानेक भ्रमण-अनुभवों के आधार पर पुस्तकें, कहानियां, लेख लिखना उनकी अभिरुचि है। अभी तक सौ से अधिक उनके लेख/कहानियां देश-विदेश के प्रसिद्द पत्र-पत्रिकाओं में प्रकशित हो चुके हैं। सरिस्का टाइगर रिजर्व रोअर्स अगेन (इंगलिश) व इसका हिंदी रूपान्तरण (सरिस्का बाघ संरक्षित क्षेत्र में फिर से गूंजी दहाड़), केवलादेव नेशनल पार्क भरतपुर: बर्ड्स इन पैराडाइज़ व वाइल्ड ट्रेज़र्स एण्ड एडवेंचर्स : ए फौरेस्टर्स डायरी आदि इनकी प्रकाशित पुस्तकें लोकप्रिय रही है। वन,वन्यजीव व पर्यावरण के हितार्थ लेखक आज भी सतत प्रयत्नशील है।

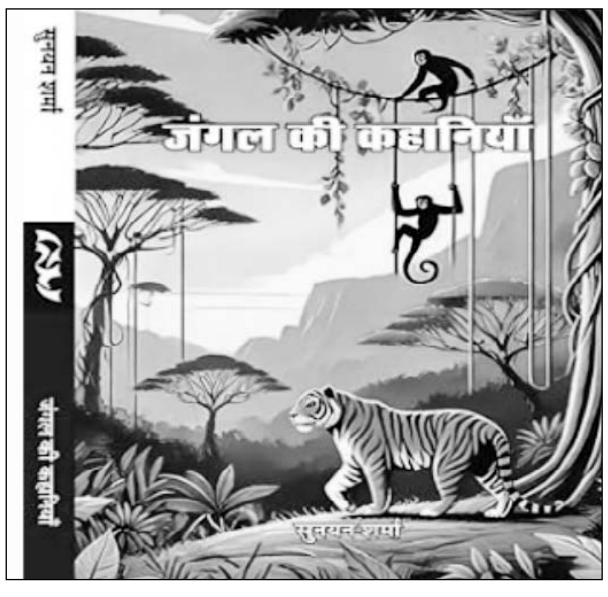

उत्कृष्ट शोधकर्ता, उद्यमी एवं वैज्ञानिक तैयार करें कृषि विश्वविद्यालय : राज्यपाल

कोटा, (निसं)। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने गुरुवार को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा में संचालित विषय, छात्रों की वर्तमान स्थिति, नामांकन व्यवस्था, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं संस्थागत व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

- **कुलाधिपति बागड़े ने कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा में प्रगति की समीक्षा की**

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित न रहकर, भविष्य के कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता, उद्यमी एवं राष्ट्रनिर्माता तैयार करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को एक ऐसी योग्य मानव संपदा (एसेट) के रूप में तैयार करें जो समाज, राष्ट्र एवं संपूर्ण मानवधारा के हित में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाते हुए समाज, राष्ट्र एवं विश्व के लिए एक मूल्यवान संपत्ति के रूप में तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों की ऊर्जा एवं ज्ञान का लाभ संपूर्ण मानव समाज तक पहुँचना चाहिए। कुलाधिपति बागड़े ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा में प्रगति की समीक्षा की तथा विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार, मानव संसाधन विकास, प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधार, आधारभूत संरचना विकास, हरित पहल, उद्यमिता एवं स्टार्टअप आदि सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि कृषि विश्वविद्यालय में अधिक से अधिक छात्रों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कृषि शिक्षा का लाभ अधिकतम युवाओं तक पहुँच सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय को प्लेसमेंट सेल स्थापित करने के निर्देश दिए।

कुलगुरू डॉ.विमला डूंकवाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार की मुख्य उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है तथा नई तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने के लिए सतत् प्रयासरत है। निदेशक अनुसंधान डॉ.एस.के. जैन द्वारा विश्वविद्यालय की पिछले तीन वर्षों की विभिन्न गतिविधियों तथा उपलब्धियां पर आधारित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सिंदूर का पौधा रोपण किया गया तथा कृषि तकनीकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा कृषि उद्यमियों से संवाद किया। संवाद में कुलाधिपति के उच्च शिक्षा सलाहकार प्रो.कैलाश सोडाणी, ओएसडी उच्च शिक्षा डॉ.कुलदीप मिश्रा, वित्त नियंत्रक, विश्वविद्यालय के सभी निदेशकगण, अधिष्ठातागण एवं परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की कुलसचिव मनीषा तिवारी ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति एवं अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन दिया।